

Smt. Darshana.V.Jardosh, Hon'ble Union Minister of
State for Textiles & Railways Inaugurates
53rd Edition of IHGF Delhi Fair 2022

**COMMENDS EPCH AND INDUSTRY ON RESILIENCE,
BOUNCING BACK WITH PHYSICAL SHOW**

**2500+ EXHIBITORS, PRE-REGISTERED BUYERS FROM 90+ NATIONS, THEME PRESENTATIONS,
REGIONAL CRAFTS, SEMINARS AND RAMP PRESENTATIONS DEFINE 5 DAYS SHOW**

Greater Noida – 30th March 2022 - The 53rd edition of IHGF-DELHI FAIR –2022 being held from 30th March to 3rd April 2022 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida Expressway was inaugurated today by Smt. Darshana V. Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles & Railways in the august presence of Mr. Shantmanu, IAS, Development Commissioner (Handicrafts); Mr. Raj K Malhotra, Chairman, EPCH; Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH and Chairman, IEML; Vice Chairmen, EPCH - Mr. Dileep Baid and Mr. Kamal Soni; Committee of Administration Members, EPCH; and Mr. R K Verma, Executive Director, EPCH.

While addressing the gathering, **Smt. Darshana V. Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles and Railways**, expressed her happiness at the physical exhibition taking place, providing an opportunity for exhibitors & buyers to meet in person for transacting business. She said, "The fair symbolizes the 'Atmanirbhar Bharat Abhiyaan' of Government of India as this large number of handicraft exporters, produce the best of Indian home, lifestyle, fashion, textiles and furniture from the indigenously sourced raw material, thus earning much-needed foreign exchange for the country." She appreciated IHGF Delhi Fair's role in providing a platform to a large number of exporters specially small and medium exporters who with their hard work, creativity and enterprise have been able to add to the exports of handicrafts from the country. She particularly appreciated the involvement of the new generation in the sector that brings in new ideas, designs and outlook. Commending EPCH, the Minister said, "EPCH has been doing excellent work since its inception and is merited with implementation of large number of interventions related to creating a conducive ecosystem for the sector's development." She hoped this would continue and enhance handicraft exports in the years to come.

During his visit to the fair, earlier in the day, **Mr. U P Singh, IAS, Secretary, Ministry of Textiles**, called this platform, a vital international connect to the Indian handicrafts community, especially the weavers and artisans who contribute significantly to nurture the sector, at the ground level. Mr. Singh also appreciated the inclusion of several regional artisanal products from J&K, Ladakh, Rajasthan and North Eastern Regions, in Theme & Collective Presentations at the show, especially those made from eco-friendly and natural

materials. He hoped that the display of these items would certainly create awareness and demand of these products amongst the visitors.

Mr. Shantmanu, Development Commissioner (Handicrafts) congratulated EPCH on its illustrious journey and the way it has carved a brand name for itself and become a model Council. The IHGF Delhi Fair too has become a trusted and sought after platform with its own unique recognition, worldwide, he said.

Mr. Raj Kumar Malhotra, Chairman, EPCH, welcomed all to the 53rd edition of IHGF Delhi Fair and mentioned that “This edition of the IHGF Fair facilitates in-person interactions and provides a viable marketing option to the exhibitors and buyers. With an extensive publicity campaign undertaken by EPCH, a large number of overseas buyers, buying consultants, wholesalers and retailers, and domestic volume buyers registered to visit the show,”

Reflecting on the present optimistic sentiment of the handicrafts industry, **Dr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH**, said, "Over the years, a large number of interventions related to backward linkages through entrepreneurship development, skilling, product and design development and forward linkages through marketing platforms for the complete development of the sector's ecosystem have been among EPCH's endeavors for the overall development of the handicrafts sector, leading to increased export. We hope to cross USD 4 billion by the close of this financial year." He thanked the Government and complimented the leadership as India's exports for the first time, cross US\$400 billion.

The 53rd edition of IHGF-Delhi Fair is spread across 15 halls and 900 Permanent Showrooms at the India Expo Centre & Mart, Greater Noida Expressway. It is open to overseas buyers, buying and sourcing consultants as well as large domestic volume retail buyers till 3rd April 2022 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida bringing together more than 2500 exhibitors for home, lifestyle, fashion, textiles and furniture.

The ExpoBazaar, a digital B2B platform established by India Expo Mart Limited (IEML) was also inaugurated today. This e-marketplace developed on 'Just in time' delivery model enables global independent retailers to not only acquire specialized crafts from all across India, but also learn about the evolution of intricate crafts" said Dr. Rakesh Kumar, who is also Chairman, IEML.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. Handicrafts exports during the year 2020-21 was Rs. 25679.98 (US \$ 3459.75 Million) and the estimated exports during April-February 2021-22 is Rs. 29626.96 Crores (US \$ 3981.72 Million) during eleven months of 2021-22.

For more information, please contact :

MR. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL– EPCH - +91-9818272171

प्रेस विज्ञप्ति दिवस 1

श्रीमती दर्शना वी जरदोश, माननीय केंद्रीय वस्त्र एवं रेलवे राज्य मंत्री ने
आईएचजीएफ दिल्ली फेयर- 2022 के 53वे संस्करण का
उद्घाटन किया

2500 से अधिक प्रदर्शक, 90 से अधिक देशों के पूर्व-पंजीकृत खरीदार, थीम प्रस्तुतियाँ, क्षेत्रीय
शिल्प, सेमिनार और रैंप प्रस्तुतियाँ 5 दिनों के शो में शामिल हैं

ग्रेटर नोएडा - 30 मार्च 2022 - आईएचजीएफ दिल्ली फेयर- स्प्रिंग 2022 का 53वां संस्करण 30 मार्च से 3 अप्रैल 2022 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन आज माननीय केंद्रीय एवं रेलवे राज्य मंत्री, श्रीमती दर्शना वी जरदोश द्वारा श्री शांतमनु, आईएस, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प); श्री राज के मल्होत्रा, चेयरमैन , ईपीसीएच; डॉ. राकेश कुमार, डायरेक्टर जनरल, ईपीसीएच और चेयरमैन ,आईईएमएल; उपाध्यक्ष ,ईपीसीएच - श्री दिलीप बैद और श्री कमल सोनी; प्रशासन सदस्यों की समिति, ईपीसीएच; और श्री आर के वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच एवं चेयरमैन, आईईएमएल की भव्य उपस्थिति में किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्रीमती. दर्शना वी जरदोश, माननीय केंद्रीय वस्त्र एवं रेलवे राज्य मंत्री, ने भौतिक प्रदर्शनी होने पर प्रसन्नता व्यक्त की, जिससे प्रदर्शकों और खरीदारों को व्यापार करने के लिए व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, "मेला भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' का प्रतीक है क्योंकि बड़ी संख्या में हस्तशिल्प निर्यातक, स्वदेशी रूप से प्राप्त कच्चे माल से भारतीय घर, जीवन शैली, फैशन, वस्त्र और फर्नीचर का सबसे अच्छा उत्पादन करते हैं, जिससे विदेशी मुद्रा की अधिक कमाई होती है- जिसकी देश को काफ़ी आवश्यकता है " उन्होंने बड़ी संख्या में निर्यातकों विशेष रूप से छोटे और मध्यम निर्यातकों को एक मंच प्रदान करने में आईएचजीएफ दिल्ली मेले की भूमिका की सराहना की, जो अपनी कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और उद्यम के साथ देश से हस्तशिल्प के निर्यात को जोड़ने में सक्षम हैं। ईपीसीएच की सराहना करते हुए, मंत्री ने कहा, "ईपीसीएच अपनी स्थापना के बाद से उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और क्षेत्र के विकास के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने से संबंधित बड़ी संख्या में हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के साथ योग्य है।" उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह जारी रहेगा और आने वाले वर्षों में हस्तशिल्प निर्यात में वृद्धि होगी।

मेले के दौरान, पहले दिन में, श्री यूपी सिंह, आईएएस, सचिव, वस्त्र मंत्रालय, ने इस मंच को भारतीय हस्तशिल्प समुदाय, विशेष रूप से बुनकरों और कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव कहा, जो जमीनी स्तर पर देश के पोषण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। श्री सिंह जी ने शो में थीम और सामूहिक प्रस्तुतियों में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के कई क्षेत्रीय कारीगर उत्पादों को शामिल करने की भी सराहना की, विशेष रूप से वे, जो पर्यावरण के अनुकूल और प्राकृतिक सामग्री से बने हों। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन वस्तुओं के प्रदर्शन से निश्चित रूप से आगंतुकों के बीच इन उत्पादों के प्रति जागरूकता और मांग पैदा होगी।

श्री शांतमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) ने ईपीसीएच को उसकी शानदार यात्रा और अपना एक ब्रांड नेम बनाने और एक मॉडल परिषद बनने पर बधाई दी।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, चेयरमैन, ईपीसीएच, ने आईएचजीएफ दिल्ली मेले के 53वें संस्करण में सभी का स्वागत किया और उल्लेख किया कि "आईएचजीएफ मेले का यह संस्करण व्यक्तिगत रूप से बातचीत की सुविधा प्रदान करता है और प्रदर्शकों और खरीदारों को एक व्यवहार्य विपणन विकल्प प्रदान करता है। ईपीसीएच द्वारा शुरू किए गए व्यापक प्रचार अभियान के साथ, बड़ी संख्या में विदेशी खरीदार, बायिंग कंसल्टेंट्स, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और डोमेस्टिक वॉल्यूम सैलर्स फेयर में पहुंचे।

हस्तशिल्प उद्योग की वर्तमान आशावादी भावना पर विचार करते हुए, ईपीसीएच के डायरेक्टर जनरल, डॉ. राकेश कुमार ने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में, उद्यमिता विकास, कौशल, उत्पाद और डिजाइन विकास के माध्यम से बैकवर्ड लिंकेज से संबंधित बड़ी संख्या में हस्तक्षेप और क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र के पूर्ण विकास के लिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से फॉरवर्ड लिंकेज हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास के लिए ईपीसीएच के प्रयासों में से एक रहे हैं, जिससे निर्यात में वृद्धि हुई है। हमें उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक हम 4 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएंगे।" उन्होंने सरकार को धन्यवाद दिया और नेतृत्व की सराहना की क्योंकि भारत का निर्यात पहली बार 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है।

आईएचजीएफ-दिल्ली मेले का 53 वां संस्करण इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे 15 हॉल और 900 स्थायी शोरूम में फैला हुआ है। यह 3 अप्रैल 2022 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में विदेशी खरीदारों, खरीद और सोर्सिंग सलाहकारों के साथ-साथ बड़े घरेलू खुदरा खरीदारों के लिए खुला है, जो घर, जीवन शैली, फैशन, वस्त्र और फर्नीचर के लिए 2500 से अधिक प्रदर्शकों को एक साथ ला रहा है।

डॉ. राकेश कुमार, आईईएमएल के चेयरमैन ने कहा "इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) द्वारा स्थापित एक डिजिटल बी2बी प्लेटफॉर्म एक्सपो बाजार का उद्घाटन किया गया। यह ई-मार्केटप्लेस वैश्विक स्वतंत्र खुदरा विक्रेताओं को न केवल पूरे भारत से विशिष्ट

शिल्प प्राप्त करने में सक्षम बनाता है, बल्कि जटिल शिल्प के विकास के बारे में भी सीखता है।”

ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न गंतव्यों में हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प वस्तुओं और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि पेश करने के लिए एक नोडल एजेंसी है। वर्ष 2020-21 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात रु. 25679.98 (3459.75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) और अप्रैल-फरवरी 2021-22 के ग्यारह महीनों के दौरान अनुमानित निर्यात रु 29626.96 करोड़ (US\$3981.72 मिलियन) रहा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

श्री राकेश कुमार, डायरेक्टर जनरल- ईपीसीएच - +91-9818272171



Photo – 1: Smt. Darshana V. Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles & Railways lighting the inaugural lamp at the 53rd IHGF Delhi Fair-2022



Photo - 2: Smt. Darshana V. Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles & Railways inaugurating the 53rd IHGF Delhi Fair-2022



Photo - 3: Smt. Darshana V. Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Textiles & Railways and Shri Shanmanu, Development Commissioner (Handicrafts) interacting with Exhibitors



Photo – 4: Shri U.P. Singh, Secretary (Textiles) takes a round of the fair with Dr. Rakesh Kumar, Director General - EPCH



Photo – 5: Overseas happy to be physically back at IHGF Delhi Fair – 2022